कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ-५ (तितली) पुस्तक - नवतरंग-2

टीचर्स - सुमन शर्मा, कल्पना शर्मा ,

सुप्रभात बच्चो !

आज हम पाठ-५ 'तितली' जो कक्षा दूसरी के विषय-हिन्दी की पाठ्य पुस्तक नवतरंग-2 की पृष्ठ संख्या 26 पर दिया गया है, पढ़ने जा रहे हैं। इस कविता के कवि 'नर्मदा प्रसाद खरे' जी हैं। यह पाठ आपको 5 अगस्त, 2021 को भेजा जाएगा। यह आवाज़ सुमन शर्मा की है।

सभी बच्चे अपनी पाठ्य पुस्तक नवतरंग-2 का पेज नं० 26 अपने सामने खोलकर रख लें। इस कविता में हम तितली के बारे में पढ़ेंगे।

★1. रंग-बिरंगे पंख तुम्हारे,
सबके मन को भाते हैं,
कलियाँ देख तुम्हें खुश होतीं,
फूल देख मुसकाते हैं।

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि तितली के रंग-बिरंगे पंख सबके मन को अच्छे लगते हैं। हे- तितली रानी! तुम इतनी प्यारी लगती हो कि कलियाँ तुम्हें देख कर खुश होती हैं और फूल तुम्हें देखकर मुसकुराने लगते हैं।

★2. रंग-बिरंगे पंख तुम्हारे
सबका मन ललचाते हैं,
तितली रानी, तितली रानी
यह कह सभी बुलाते हैं।

Scanned with ACE Scanner

उपविषय - पाठ-5 (तितली) पुस्तक - नवतरंग-2

टीचर - सुमन शर्मा

अर्थ → कवि इन पंक्तियों में आगे बताते हुए कहते हैं कि - हे तितली रानी! तुम्हारे रंग-बिरंगे पंख सबके मन को मोहित करते हैं। छोटे-बड़े सभी तुम्हें तितली रानी, तितली रानी कहकर पुकारते हैं।

★ 3. पास नहीं क्यों आतीं तितली,
दूर-दूर क्यों रहती हो?
फूल-फूल के कानों में,
जा-जाकर क्या कहती हो?

अर्थ → कवि कहते हैं कि हे तितली रानी! तुम हमसे दूर-दूर क्यों रहती हो अर्थात् हमारे पास क्यों नहीं आती। तितली रानी हमें ये भी बताओ कि तुम एक-एक फूल के कान में जाकर क्या कहती हो?

बच्चो! अब पाँच मिनट की ब्रेक लेते हैं। ब्रेक लेने से पहले मैं आप से कुछ प्रश्न पूछने जा रही हूँ जिनके उत्तर आप अपनी हिन्दी व्याकरण नोटबुक में लिखोगे।

प्र०1. तितली के शरीर का कौन-सा भाग हमारे मन को भाता है?

प्र० 2. तितली को देखकर फूल क्या करते हैं?

प्र० 3. तितली को सभी क्या कहकर बुलाते हैं?

(ब्रेक का समय समाप्त)

Scanned with ACE Scanner

उपविषय - पाठ ५८ तितली), पुस्तक - नवतरंग - 2

टीचर - सुमन शर्मा

बच्चों! आगे बढ़ने से पहले मैं आपको ऊपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर बता देती हूँ।

उ०1. तितली के रंग- बिरंगे पंख हमारे मन को भाते हैं।

उ०2. तितली को देखकर फूल मुसकाते हैं।

उ०3. तितली को सभी तितली रानी, तितली रानी कहकर पुकारते हैं।

★ 4. सुंदर- सुंदर प्यारी तितली,
आँखों को तुम भाती हो,
इतनी बात बता दो हमको,
हाथ नहीं क्यों आती हो?

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि- हे तितली! तुम इतनी प्यारी हो कि सबकी आँखों को अच्छी लगती हो। कवि तितली से प्रश्न पूछते हुए कह रहे कि- हे तितली रानी! हमें भी इतनी बात बता दो कि तुम हमारे हाथ में क्यों नहीं आती अर्थात् पकड़ी क्यों नहीं जाती?

★ 5. इस डाली से उस डाली पर,
उड़ - उड़कर क्यों जाती हो?
फूल - फूल का रस लेती हो,
हमसे क्यों शरमाती हो?

Scanned with ACE Scanner

उपविषय - पाठ-५ (तितली), पुस्तक नवतरंग-2

टीचर - सुमन शर्मा

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि- हे तितली! तुम एक डाली/टहनी से दूसरी टहनी पर उड़-उड़कर क्यों जाती हो? तितली रानी तुम हर फूल के पास जाकर उसका रस चूस लेती हो परन्तु हमारे पास आने से क्यों शरमाती हो अर्थात् हमारे पास क्यों नहीं आती।

नोट-
- सभी बच्चे इस कविता को पढ़ने का अभ्यास करेंगे तथा कविता की पंक्तियों के अर्थ भी समझेंगे।
- अभिभावकों से अनुरोध है कि बच्चों को कविता की पंक्तियों के अर्थ अच्छी तरह से पढ़कर सुनाएँ तथा समझाएँ।
- सभी बच्चे प्रतिदिन हिन्दी पढ़ने का अभ्यास करेंगे।
- हिन्दी की ऑडियो/वीडियो अवश्य सुनें।

Scanned with ACE Scanner

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

पुस्तक - नवतरंग - 2 पाठ - 4 तितली (कविता)

दिनांक: 5.8.24 Answer Key

पाठ बोध

1. प्रश्नों के उत्तर शब्दों में लिखें -

क) सबके मन को क्या भाते हैं?
उत्तर: सबके मन को तितली के रंग-बिरंगे पंख भाते हैं।

ख) तितली उड़-उड़कर कहाँ जाती है?
उत्तर: तितली उड़-उड़कर एक डाली से दूसरी डाली पर जाती है।

ग) तितली को देखकर कौन मुसकाते हैं?
उत्तर: तितली को देखकर फूल मुसकाते हैं।

घ) तितली को सब क्या कहकर बुलाते हैं?
उत्तर: तितली को सब तितली रानी, तितली रानी कहकर बुलाते हैं।

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो -

पास नहीं क्यों आतीं तितली
दूर-दूर क्यों रहती हो?
फूल-फूल के कानों में
जा-जाकर क्या कहती हो?

Scanned with ACE Scanner

पुस्तक - नवतरंग -2 उपविषय - पाठ-५८ (तितली)

Answer key

3. वाक्य बनाएँ -

क. तितली - तितली फूलों पर मँडराती है।

ख. कलियाँ - कलियाँ तितली को देखकर खुश होती हैं।

ग. डाली - चिड़िया पेड़ की डाली पर बैठी है।

शब्द - अर्थ -

भाते हैं - अच्छे लगते हैं

हाथ नहीं आना - पकड़ में न आना

• ~~पाठ~~

(Last Page)

Scanned with ACE Scanner